

**साल<sup>1</sup>** पुं. (तद्.) 1. वनों में होने वाला बड़ा पेड़ जो लंबे पत्तों व सुगंधित पुष्पों वाला होता है, शाल या साखू नाम का वृक्ष 2. किसी भवन का परकोटा/चारदीवारी 3. बाड़ा 4. झरोखा 5. एक प्रकार की मछली 6. गौदड़ 7. किला, गढ़।

**साल<sup>2</sup>** पुं. (तद्.) 1. शल्य, काँटा 2. बाण 3. चुभन 4. घाव 5. मन में होने वाला कष्ट 6. दो लकड़ियों को जोड़ने के लिए उनमें किया जाने वाला चौकोर छेद, धाम, शालि।

**साल<sup>3</sup>** पुं. (तद्.) **साल<sup>4</sup>** पुं. (फ़ा.) बरस, वर्ष।

**सालक<sup>1</sup>** वि. (देश.) 1. सालने वाला 2. दुःखप्रपद।

**सालक<sup>2</sup>** वि. (तत्.) अलकों से युक्त।

**सालग** पुं. (तद्.) सालंक।

**सालगा** पुं. (देश.) 1. चीड़ का वृक्ष 2. कुंदरू।

**सालगिरह** स्त्री. (फ़ा.) वर्षगाँठ, जन्मदिन।

**सालग्राम** पुं. (तद्.) भगवान विष्णु के प्रतीक के रूप में पूजा जाने वाला काले रंग का चिकना व गोलाकार पत्थर जो गंडक नदी से प्राप्त होता है।

**सालग्रामी** स्त्री. (तद्.) गंडक नदी।

**सालज** पुं. (तत्.) 1. सर्णरस 2. राल, धूना।

**सालदुम** पुं. (तत्.) 1. सागौन का पेड़ 2. साखू।

**सालन<sup>1</sup>** पुं. (फ़ा.) 1. साग-सब्जी की मसालेदार तरकारी 2. मसालेदार मांस मछली 3. गौद।

**सालन<sup>2</sup>** पुं. (देश.) झरोखों से बड़ा।

**सालना** अ.क्रि. (तद्.) 1. दुःख होना 2. चुभना 3. खटकना, कसकना 4. मानसिक कष्ट या पीड़ा होना स.क्रि. 1. दुःख देना, कष्ट पहुँचाना 2. कोई नुकीली वस्तु किसी के अंदर चुभाना।

**सालाना** वि. (फ़ा.) प्रति वर्ष होने वाला, वार्षिक।

**साल-निर्यास** पुं. (तत्.) साल वृक्ष जनित राल, धूना।

**सालपर्णी** स्त्री. (तत्.) 1. शालपर्णी 2. सरिवन।

**सालपान** पुं. (देश.) एक क्षुप, जिसकी जड़ ओषधि के रूप में प्रयुक्त होती है तथा वर्षा ऋतु के अंत में फूलता है चाँचर।

**सालपुष्प** पुं. (तत्.) 1. स्थलपद्म 2. साल वृक्ष में होने वाला पुष्प या फूल।

**सालब मिश्री** स्त्री. (अर.+तद्.) 1. मिश्रदेशीय एक पौधे का ओषधोपयोगी कंद 2. क्षुप विशेष 3. सुधामूली।

**सालभंजिका** स्त्री. (तद्.) 1. शालभंजिका 2. कठपुतली 3. गुडिया 4. प्राचीन काल में राजदरबार में नाचने वाली स्त्री 5. वेश्या।

**सालम मिश्री** स्त्री. (अर.+तद्.) मिश्र देश का एक ओषधोपयोगी क्षुप जो पौष्टिक तत्वों से युक्त होता है।

**सालर** पुं. (देश.) सलई।

**सालरस** पुं. (तत्.) धूना, राल।

**सालिस** पुं. (अर.) 1. वह तीसरा व्यक्ति जो दो व्यक्तियों के विवाद का निपटारा करता है, तिसरैत 2. पंच।

**सालस** पुं. (तत्.) 1. जो आलस्य युक्त हो 2. आलस्यपद।

**सालसा** पुं. (अर.) पाश्चात्य ढंग से रक्त शोधक ओषधियों के योग से बना एक प्रकार का काढ़ा।

**सालसा लता** स्त्री. (तत्.) जामुन के पत्तों के सदृश वाली एक लता। सारिवा टि. सारिवा का स्वालसा सफेद और काली दो तरह की होती है।

**सालिसी** स्त्री. (अर.) 1. सालस होने का भाव 2. दूसरों का विवाद सुलझाने के लिए तीसरे व्यक्ति या कुछ व्यक्तियों की बनी एक पंचायत।

**सालस्य** वि. (तत्.) 1. आलस्य युक्त क्रि.वि. आलस्य के साथ, आलस्यपूर्वक।

**सालहज** स्त्री. (देश.) साले की पत्नी, सलहज।

**साला** पुं. (देश.) 1. संबंध की दृष्टि से किसी की पत्नी का भाई 2. लोक व्यवहार में उक्त संबंध को सूचित करने वाली गाली का एक शब्द।

**सालार** पुं. (फ़ा.) 1. नायक 2. नेता जैसे- सिपह-सालार (सिपाही या सैनिकों का नेता)।